बिहार विधान सभा वादवृत्त

मंगलवार, तिथि २९ जुलाई, १९५२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार तिथि २९ जुलाई, १९५२ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्पसूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

REALISATION OF LOANS FROM KISANS IN RAINY SEASON.

C-150. SHRI MITHAN CHOUDHARY: Will the Revenue Minister be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the Government have served notice on the inhabitants of the Police-Station Balchwara in the district of Monghyr to pay up the loans advanced to them by Government;

(*b*) whether it is a fact that the months from Asarh to Bhado are the most unsuitable time for the Kisans to make any such payment;

(*c*) whether it is a fact that sudden and heavy rains from the 17th to the 30th June have damaged the Bhadai and Aghani crops in general and standing Alua and China crops in the *diara* area in particular;

(*d*) whether it is a fact that the months from Magh to Baisakh are the only time for that part of the district in which Kisans are in a position to pay the loans, if everything goes well with them;

(*e*) whether Government now propose to stop the realisation of loans advanced to the Kisans of the Bachwara thana for the time being?

श्री कृष्णवल्लभ सहाय—अध्यक्ष महोदय, इसका भी उत्तर तैयार नहीं है। मगर मैं इतना कह सकता हूँ, गवर्नमेन्ट ने आॅर्डर जारी कर दी है कि जब तक भदई फसल काटी नहीं जाती है कि तब तक लोन रिएलाइज नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष—इस सवाल का उत्तर हो गया।

श्री महेश प्रसाद सिंह—(क) बी० आर० एफ ५१२ सम्बर की एक मोटर बस मुजफ्फरपुर से फतेहाबाद रोड पर चलती है जो कि मेसर्स हिन्दुस्तान ट्रांसपोर्ट ऐन्ड इन्जिनियरिंग कम्पनी अखाड़ाघाट, मुजफ्फरपुर की है न कि गंगा मोटर कम्पनी की।

(ख) और (ग) इस तरह की शिकायत सरकार को नहीं मिली है।

(घ) प्रथम भाग के संबंध में प्रश्न उठता ही नहीं और द्वितीय भाग के उत्तर में यह कहना है कि यात्रियों के साथ बस कर्मचारियों के दुर्व्यवहार की शिकायत सरकार को नहीं मिली है।

(ङ.) प्रश्न ही नहीं उठता। एक और गाड़ी उस रास्ते पर चलाने के संबंध में स्थानीय अधिकारियों से सम्मति माँगी जा रही है।

श्री नवल किशोर प्रसाद सिंह—५१२ नं० की गाड़ी किस मॉडेल की है और कितने साल की गाड़ी है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—इसके लिए सूचना चाहिए।

श्री नवल किशोर प्रसाद सिंह—क्या सरकार को मालूम है कि उस रास्ते के पाँच डाकघरों की डाक उसी गाड़ी से जाती है और गाड़ी के खराब हो जाने पर समय पर डाक नहीं पहुँच सकता ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—यह प्रश्न ही नहीं उठता।

ब्रेक डाउन फिगर की मांग।

२०६। श्री नन्द किशोर नारायण—क्या मंत्री, जन-सम्पर्क विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार का ध्यान आज ता० १८ जुलाई १९५२ के प्रथम पृष्ठ में छपे समाचार की ओर गया है जो सरकार द्वारा समाचार-पत्रों से ब्रेक डाउन फिगर मांगने के सम्बन्ध में है ;

(ख) यदि उपरोक्त अनुखंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि—

(i) किन-किन अखबारों ने कितना ब्रेक डाउन का फिगर्स किस अधिकारी के पास दिया है ;

(ii) क्या यह बात सही है कि ऐडभरटीजमेन्ट पत्रों को ब्रेक डाउन फिगर्स पर ही मिलता है ;

(iii) सरकार के कौन विभाग, कौन अधिकारी, तथा किस एजेंसी के द्वारा एडभरटीजमेंट अखबारों को मिलता है ;

(iv) सरकार का कौन विभाग या अधिकारी अखबारों के दिये ब्रेक डाउन के फिगर्स को भेरीफाई करता है, और कोई स्वतंत्र एजेंसी इस काम के लिये है और कभी ब्रेक डाउन फिगर्स मांगा गया था ;

(v) क्या यह बात सही है कि सरकार का ब्रेक डाउन फिगर्स मांगना कोई कोअरसिव उद्देश्य से नहीं है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ख) (१) जिन पत्रों से आंकड़े मांगे गए थे, उन सभी से अभी तक आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं, जो आंकड़े अभी तक प्राप्त हुए हैं उन्हें यहाँ बतलाना सरकार उचित नहीं समझती, कारण यह है कि इसका लोग दुरुपयोग कर सकते हैं ।

(२) उत्तर नकारात्मक है । पर विज्ञापन देने में पत्रों की ग्राहक संख्या पर भी ध्यान रखा जाता है ।

(३) सरकार के सभी विभाग जिन्हें जरूरत होती है अखबारों में विज्ञापन छपवाते हैं । मगर सचिवालय के विभागों के विज्ञापन जनसम्पर्क विभाग द्वारा अखबारों में प्रकाशनार्थ भेजे जाते हैं ।

(४) ब्रेकडाउन फिगर ऑफ सरकुलेशन पहले कभी नहीं मांगा गया था । इसलिए इन आंकड़ों को भेरीफाई करने का सवाल ही नहीं उठा था ।

(५) उत्तर नकारात्मक है ।

श्री नन्द किशोर नारायण—किन-किन अखबारों से फिगर्स मांगी गई है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—सार्चलाईट, इन्डियन नेशन आर्यावर्त्त, प्रदीप, नवराष्ट्र और राष्ट्रवाणी से यह फिगर्स मांगी गई थी ।

श्री नन्द किशोर नारायण—जिन अखबारों से मांगी गई थी वे एप्रूव्ड लिस्ट में है कि नहीं ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—जी हाँ ।

श्री नन्द किशोर नारायण—इन अखबारों को गत साल एडभरटिजमेंट से कितने रुपये मिले थे ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—इसके लिए नोटिस चाहिए ।

श्री नन्द किशोर नारायण—अभी तक सरकार के पास किन-किन अखबारों ने ब्रेकडाउन फिगर्स दिया है और किन लोगों ने नहीं दिया है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—सिवाय नवराष्ट्र के सभी अखबारों ने ब्रेकडाउन का फिगर्स दिया है ।

श्री नन्द किशोर नारायण—क्या विशेष कारण है कि उस अखबार ने नहीं दिया है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—यह तो अखबारवाले जानते हैं ।

श्री नन्द किशोर नारायण—जो अखबार ब्रेकडाउन फिगर्स नहीं देता है उसके साथ एडवरटिजमेंट देने के संबंध में क्या नीति होगी ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—ब्रेकडाउन फिगर्स मांगने पर जिन्होंने फिगर्स नहीं दिया है उनके अगेन्स्ट में क्या एक्शन लिया जायगा इस पर सरकार विचार करेगी ।

श्री नन्द किशोर नारायण—ब्रेकडाउन की जो फिगर्स आती हैं उसको आप मान लेते हैं या भेरिफाई भी कराते हैं ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—गवर्नमेंट अपने एजेन्सी के मारफत सरकुलेशन फिगर्स की इन्क्वारी करती है ।

श्री नन्दकिशोर नारायण—क्या सरकार को मालूम है कि इन्डियन नेशन और सर्चलाइट में किस अखबारवाले ने अधिक फिगर दिया है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—अगर माननीय सदस्य यह चाहते हैं कि किस अखबार वाले ने अधिक फिगर्स दिया है तो मैं अभी इसे नहीं कह सकता हूँ ।

श्री नन्द किशोर नारायण—क्या यह बात सही है कि इन्डियन नेशन और सर्चलाइट से ज्यादा फिगर नवराष्ट्र का है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—नवराष्ट्र ने अभी फिगर नहीं दिया है तो मैं अभी कैसे बता सकता हूँ ।

श्री नन्द किशोर नारायण—सर्चलाइट और इन्डियन नेशन का क्या फिगर है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—इसका उत्तर देने में अभी मैं लाचार हूँ ।

श्री रामलखन यादव—किस अखबार का कितना सरकुलेशन है इसके बारे में सरकार जाँच कराती है या उनके फिगर से ही संतोष कर लेती है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—सरकार अपनी एन्क्वायरी भी कराती है।

श्री रामलखन यादव—क्या सरकार को यह खबर है कि ऐसे अखबार हैं जिनका प्रिन्टिंग केपेसिटी कम है और वे सरकुलेशन का ज्यादे फिगर दिये हैं।

श्री महेश प्रसाद सिंह—गवर्नमेंट को अभी इन्फोरमेशन नहीं है, आइन्दे मिलने की आशा है।

श्री रामलखन यादव—क्या यह बात सही है कि यदि मैनेजमेंट की तरफ से इनफोरमेशन दिया जाता है और सरकार उसे जाँच कराती है तो उसमें कोई डिफरेन्स होता है ?

अध्यक्ष—यह कन्डिशनल सवाल नहीं पूछ सकते हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह—क्या सरकार यह बतलायेगी कि अखबार वालों ने बिक्री का जो हिसाब दिया है उसके अलावे गवर्नमेंट ऑफ इन्डिया की ओर से कोई ऐसा ऑल इन्डिया आरगेनिजेशन है, जिसके द्वारा इन सब फिगर्स की जाँच होती है और एनुअल रिपोर्ट होती है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—एक आरगेनिजेशन है जिसके मारफत सरकुलेशन का फिगर गवर्नमेंट को सबमिट किया जाता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—उनके रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के डेली पेपर के सरकुलेशन का क्या फिगर है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—एक अखबार वाले ने फिगर नहीं दिया है और बकिये अखबार वाले, जिन्होंने फिगर्स दिये हैं उनका उत्तर दिया जा चुका है। वह फिगर्स क्या है, मैं यहाँ नहीं बता सकता हूँ इसलिये कि दुरुपयोग हो सकता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—मैं जानना चाहता हूँ कि "बिहार डेलिज" चाहे वह हिन्दी पेपर हों या अंग्रेजी, दोनों में किसका सरकुलेशन ज्यादा है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—मैं इसका उत्तर नहीं दे सकता हूँ क्योंकि उसका दुरुपयोग हो सकता है।

SHRI PRABHUNATH SINGH : I want to know from the Chair, whether Government can conceal this information from this House.

SPEAKER : Government can refuse to disclose the information in public interest.

SHRI PRABHUNATH SINGH : I bow down to your ruling, Sir, but whether there is "public interest" or not has to be seen.

श्री महेश प्रसाद सिंह—मैं कहता हूँ कि गवर्नमेंट क्यों इसको कनसील करना चाहती है और उसका क्या दुरुपयोग हो सकता है। यदि हम अभी कहें कि किसी खास अखबार का सरकुलेशन २०-२५ हजार है तो वह अखबार वाला यह दिखाने की कोशिश करेगा कि गवर्नमेंट की ओर से कहा गया है कि मेरा सरकुलेशन २०-२५ हजार है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—यदि आप कहें कि अखबार वाले की रिपोर्ट है कि उनका सरकुलेशन २०-२५ हजार है तो उसका दुरुपयोग कैसे हो सकता है?

अध्यक्ष—गवर्नमेंट को ऐसी आशंका है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—मैं जानना चाहता हूँ कि जाँच करने का सरकार का क्या एजेन्सी है।

श्री महेश प्रसाद सिंह—गवर्नमेंट की सारी एजेन्सी है जिससे चाहे इन्क्वायरी करा सकती है।

SHRI PRABHUNATH SINGH : Then there is no agency now and it will be created.

SHRI MAHESH PRASAD SINGH : Government have not failed, the entire agency is there.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if it is a fact that every year enquiries are made in regard to the circulation of the newspapers in the State through Police and other agencies ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Yes.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state which of the daily newspapers in the State has filed a certificate of circulation given to it by the Audit Bureau of Circulation ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : I want notice for it, Sir.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if any of the daily newspapers in the State has filed a certificate of circulation issued by the Audit Bureau of Circulation ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Yes.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if any of the daily newspapers in the State has filed a certificate by the Eastern Newspaper Society in regard to the consumption of newsprint by the papers concerned ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Yes.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if the figures given in that certificate coincide with the result of Government's own enquiry in regard to the circulation ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Government have not made a detailed enquiry into this matter.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if the figures given in that certificate coincide even generally with the result of their own enquiry ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Sir, it is a short notice question. Many newspapers have written to me on the subject of consumption of newsprint and I am unable to give a detailed reply to my friend today.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if any daily newspaper has refused to furnish the certificate of circulation ?

SPEAKER : That has been answered already.

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : Nobody has refused but some have not submitted yet.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD : Will Government be pleased to state if they are aware that at least one of the daily papers in the State is not a member of the Eastern Audit Bureau of Circulation ?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA : May be, but we have no information.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD: Will Government be pleased to state if they are aware of the fact that many of the advertisements are not issued through the Public Relations Department?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA: Government are aware of this fact.

SHRI MURLI MANOHAR PRASAD: Will Government be pleased to state if they propose to consider the certificate issued by the Audit Bureau of Circulation in the light of their own information before they decide upon the issue of the advertisement referred to in this matter?

SHRI MAHESH PRASAD SINHA: The whole matter is under consideration of Government in view of the fact that a question has been put by Shri Nandkishore Narayan.

श्री त्रिवेणी कुमार—सरकार ने बताया है कि वह इसलिये जवाब देना नहीं चाहती है चूंकि उसका गलत इस्तमाल होगा। सरकार यह तो कह सकती है कि ए० बी० सी० ऑरगेनिजेशन की क्या रिपोर्ट हुई।

अध्यक्ष—जवाब में कहा गया है कि नहीं बतायेंगे।

श्री महेश प्रसाद सिंह—चूंकि उसका दुरुपयोग होगा, इसलिये नहीं बताना चाहते हैं।

STRIKE OF DHANBAD TAXI OWNERS.

235 SHRI PURUSOTTAM CHOUHAN: Will the Minister in charge of the Transport Department be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Taxi-owners of Dhanbad had threatened to go on strike, a few months ago, against plying of private cars as taxis;

(b) whether it is a fact that the above strike was averted by the local officials, giving promise that the plying of private cars would be stopped;

(c) if the answers to clauses (a) and (b) are in affirmative, what are the reasons that private cars are still plying as taxis openly?